वाणिज्य मंत्री (श्री एन० कानूनगो) : (क) जी, हां ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

|[THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI N. KANUNGO) : (a) Yes.

(b) Does not arise.]

मंत्रालयों/विभागों द्वारा हिन्दी समाचारपत्रों की कतरनों के लिये प्रार्थना

९०. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री २७ नवम्बर, १९६१ को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या ६ के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ऐसे कौन-कौन से मंत्रालय तथा विभाग हैं, जो हिन्दी समाचारपत्रों की कतरनें नियमित रूप से मंगा रहे हैं ; और

(ख) क्या अन्य मंत्रालयों तथा विभागों से ऐसी कतरनों सम्बन्धी अपनी आवश्यकता को बताने के बारे में कहा गया है अथवा कहने का विचार है और यदि हां, तो कितने मंत्रालयों तथा विभागों ने कहने पर या स्वत: इनकी मांग की है ?

t [REQUESTS FOR CLIPPINGS FROM HINDI NEWSPAPERS BY MINISTRIES/DEPARTMENTS

90. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to refer to thereply given to Unstarred Question No. 6 in the Rajya Sabha on the 27th November, 1961 and state:

(a) the names of Ministries and Departments which are regularly asking for clippings from Hindi newspapers; and

(b) whether other Ministries and Departments have been asked or it is proposed to ask them to notify their requirements of such clippings and if so, how many Ministries and Departments have so far sent their requisitions on being asked or of their own?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (डा० बी० वी० केसकर) : (क) और (ख) हिन्दी समाचारपत्रों और पत्रिकाओं की कतरनें नियमित रूप से भेजने के बारे में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की राय ली गई थी । उसके परिणामस्वरूप, हिन्दी समाचारपत्रों और पत्रिकाओं की कतरनें निम्नलिखित १० मंत्रालयों को नियमित रूप से भेजी जा रही हैं :—

गृह-कार्य मंत्रालय

शिक्षा मंत्रालय

वैज्ञानिक गवेषणा तथा सांस्कृतिक-कार्य मंत्रालय

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय

सामुदायिक विकास तथा सहयोग मंत्रालय

रक्षा मंत्रालय

रेल मंत्रालय

पुनर्वास मंत्रालय

परिवहन तथा संचार मंत्रालय

इस्पात, खान तथा इंधन मंत्रालय ;

t[THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (DR. B. V. KESKAR): (a) and (b) The views of various Ministries and Departments regarding the supply of Hindi clippings from Hindi newspapers and periodicals on a regular basis was ascertained. As a result,. clippings from Hindi newspapers ana periodicals are being supplied to the following ten Ministries on a regular basis:

Ministry of Home Affairi. Ministry of Education. Ministry of Scientific Research and Cultural Affairi.

†[ ] English translation.

Ministry of Commerce and Industry.
Ministry of Community Development and Cooperation.
Ministry of Defence.
Ministry of Railways.
Ministry of Rehabilitation.
Ministry of Transport and Communications.
Ministry of Steel, Mines and Fuel.]

t [STANDARD HINDI KEY-BOARD

स्टैण्डर्ड हिन्दी की-बोर्ड

९१. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री ७ दिसम्बर, १९६१ को राज्य सभा मे अतारांकित प्रश्न संख्या १६३ के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दी टाइपराइटरों के स्टैण्डर्ड की-बोर्ड के बारे में अन्तिम निर्णय कर लिया गया है ; और

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'हां' हो, तो क्या निर्णय किया गया और कब किया गया ?

91. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to refer to the answer given to Unstarred Question No. 163 in the Rajya Sabha on the 7th December, 1961 and state;

(a) whether a final decision in re-.gard to the standard key-board of Hindi typewriters has since been taken; and

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, when and what decision was taken?]

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) जी, हां ।

(ख) ३१ जनवरी, १९६२ को टाइपराइटर निर्माताओं के साथ हुई एक बैठक में हिन्दी टाइपराइटरों के शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित किये गये पुनरीक्षित की-बोर्ड को स्वीकार कर लिया गया है ।

t[THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MANUBHAI SHAH): (a) Yes, Sir.

(b) At a meeting held with the typewriter manufacturers on 31st January 1962, the revised key-board of Hindi typewriters brought out by the Ministry of Education was adopted]

t [NOTING IN HINDI IN OFFICES SITUAITSD IN

हिन्दी भाषी राज्यों में स्थित कार्यालयों में हिन्दी में नोट लिखना

९२. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या **सूचना तथा प्रसारण** मंत्री ३० नवम्बर, १९६१ को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या ६९ के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय के अंतर्गत हिन्दी भाषी राज्यों में कितने ऐसे कार्यालय हैं, जहां हिन्दी में नोट लिखे जाने लगे है और कितने ऐसे हैं, जहां अभी यह कार्य आरम्भ नहीं किया गया है और इसका क्या कारण है; और

(ख) जिन कार्यालयों में हिन्दी में कार्य आरम्भ नहीं किया गया है, वहां हिन्दी जानने वाले कर्मचारी कितने प्रतिशत हैं ?

HINDI-SPEAKING STATES

92. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleas-

†[ ] English translation.